केंद्र ने PMGAY के तहत आवास उपलब्ध कराने के प्रस्ताव को मंज़ूरी दी

चर्चा में क्यों?

छत्तीसगढ़ सरकार ने घोषणा की है कि केंद्र ने प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास योजना के तहत **15,000 आवास उपलब्ध कराने के उसके प्रस्ताव को मंज़ूरी दे दी है।** कल्याणकारी पहल के तहत ये घर आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों और नक्सल हिंसा से प्रभावित व्यक्तियों को आवंटित किये जाएँगे।

- इस बात पर ज़ोर दिया गया कि इस योजना का उद्देश्य **सामाजिक-आर्थिक जाति जनगणना 2011** और **आवास प्लस 2018 सूचियों से बाहर रह गए परिवारों को शामिल करना है।**

मुख्य बिंदु

प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण (PMAY-G)

- **परिचय:**
  - **वर्ष 2016 में शुरू की गई** PMAY-G का उद्देश्य समाज के **सबसे गरीब तबके को आवास उपलब्ध कराना है।**
  - लाभार्थियों के चयन में **तीन चरणों की गहन सत्यापन प्रक्रिया शामिल है,** जिसमें सामाजिक-आर्थिक जाति जनगणना 2011, ग्राम सभा **अनुमोदन और** जियो-टैगिंग शामिल है, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि सहायता सबसे योग्य व्यक्तियों तक पहुँचे।

PMAY-G के अंतर्गत लाभार्थियों को मिलेगा:

- **वित्तीय सहायता:** मैदानी क्षेत्रों में 1.20 लाख रुपए तथा पूर्वोत्तर राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों सहित पहाड़ी राज्यों में 1.30 लाख रुपए।
- **शौचालयों के लिये अतिरिक्त सहायता:** स्वच्छ भारत मिशन - ग्रामीण (SBM-G) या महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोज़गार गारंटी योजना (MGNREGS) या किसी अन्य समर्पित वित्त पोषण स्रोत जैसी योजनाओं के साथ अभिसरण के माध्यम से शौचालयों के निर्माण के लिये 12,000 रुपए।
- **रोज़गार सहायता:** आवास निर्माण के लिये महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोज़गार गारंटी अधिनियम (MGNREGA) के माध्यम से लाभार्थियों के लिये 90/95 व्यक्ति-दिवस अकुशल मज़दूरी रोज़गार का अनिवार्य प्रावधान।
- **बुनियादी सुविधाएँ:** प्रासंगिक योजनाओं के साथ अभिसरण के माध्यम से जल, तरलीकृत पेट्रोलियम गैस (LPG) और विद्युत कनेक्शन तक पहुँच।

नक्सलवाद

- इसकी **शुरुआत स्थानीय जमींदारों के विरुद्ध विद्रोह के रूप में हुई,** जिन्होंने भूमि विवाद को लेकर एक किसान की पिटाई की थी।
  - यह विद्रोह **1967 में शुरू हुआ था, जिसका उद्देश्य कानू सान्याल और जगन संथाल** के नेतृत्व में मेहनतकश किसानों के बीच भूमि का उचित पुनर्वितरण करना था।
- **पश्चिम बंगाल से शुरू हुआ** यह आंदोलन पूर्वी भारत के अन्य कम विकसित क्षेत्रों जैसे **छत्तीसगढ़, ओडिशा और आंध्र प्रदेश तक फैल चुका है।**
- ऐसा माना जाता है कि नक्सली माओवादी राजनीतिक भावनाओं और विचारधारा का समर्थन करते हैं।
  - **माओवाद माओ त्से तुंग** द्वारा विकसित साम्यवाद का एक रूप है।
  - यह सशस्त्र विद्रोह, जन-आंदोलन और रणनीतिक गठबंधनों के संयोजन के माध्यम से **राज्य की सत्ता पर कब्ज़ा करने का सिद्धांत है।**

//

वामपंथी उग्रवाद

परिचय

- **उत्पत्ति:** वर्ष 1967 में पश्चिम बंगाल के नक्सलबाड़ी में विद्रोह
- **उद्देश्य:** क्रांतिकारी तरीकों के माध्यम से सामाजिक और राजनीतिक बदलाव

विचारधारा

- सशस्त्र क्रांति (हिंसा और गुरिल्ला पद्धति) के माध्यम से केंद्र सरकार का विरोध
- माओवादी सिद्धांतों पर आधारित साम्यवादी राज्य की स्थापना

ज़िम्मेदार कारक

- विकास परियोजनाओं, खनन कार्यों के कारण **जनजातीय आबादी का वृहद् स्तरीय विस्थापन**
- **आदिवासी असंतोष;** वन (संरक्षण) अधिनियम 1980 जनजातियों को वन संसाधनों की कटाई करने से रोकता है
- **निर्धनता और स्थायी साधनों की कमी;** नक्सली आंदोलन में शामिल होने के लिये प्रेरक कारक
- **प्रभावी शासन का अभाव;** नक्सलवाद के विरुद्ध अपर्याप्त तकनीकी खुफिया जानकारी

वामपंथी उग्रवाद से प्रभावित राज्य

- **रेड कॉरिडोर:** गंभीर नक्सलवाद-माओवादी विद्रोह का अनुभव
- छत्तीसगढ़, झारखंड, ओडिशा, बिहार, पश्चिम बंगाल, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश और केरल

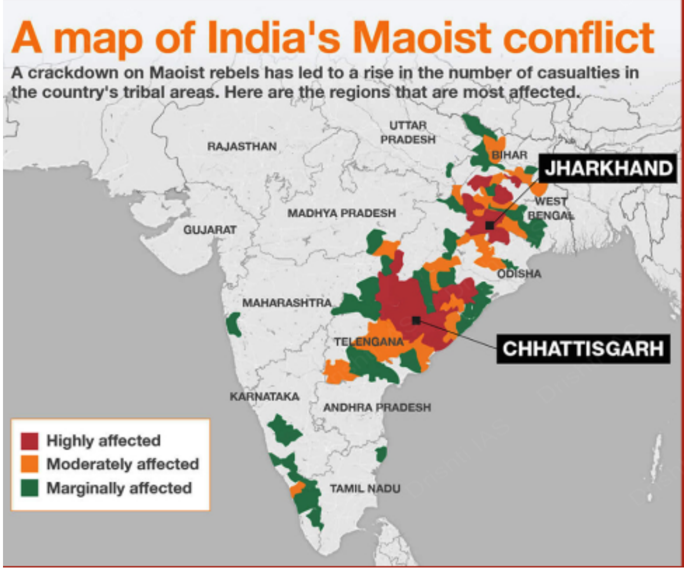

वामपंथी उग्रवाद पर अंकुश लगाने हेतु सरकारी पहलें

- वामपंथी उग्रवाद से निपटने के लिये राष्ट्रीय नीति और कार्य योजना 2015
- SAMADHAN सिद्धांत
  - S- स्मार्ट लीडरशिप
  - A- एग्रेसिव स्ट्रेटेजी
  - M- मोटिवेशन एंड ट्रेनिंग
  - A- एक्शनेबल इंटेलिजेंस
  - D- डैशबोर्ड-बेस्ड KPIs (Key Performance Indicators) और KRAs (Key Result Areas)
  - H- हार्नेसिंग टेक्नोलॉजी
  - A- एक्शन प्लान फॉर इच थिएटर
  - N- नो एक्सेस टू फाइनेंसिंग
- सार्वजनिक अवसंरचना और सेवाओं में विशेष केंद्रीय सहायता (SCA)
- ऑपरेशन ग्रीन हंट
- **ग्रेहाउंड** (आंध्र प्रदेश का इलीट कमांडो फॉर्स)
- **बस्तरिया बटालियन** (छत्तीसगढ़ में स्थानीय नियुक्तियाँ जो भाषा और इलाके से परिचित हैं, जिससे खुफिया जानकारी एकत्रित की जा सके और ऑपरेशन किये जा सकें)

नक्सलवाद का सामना- बंदोपाध्याय समिति (वर्ष 2006)

- इसमें जनजातियों के प्रति आर्थिक, सामाजिक-राजनीतिक और सांस्कृतिक भेदभाव एवं शासन की अपर्याप्त नीतियों पर प्रकाश डाला गया
- इसमें आदिवासियों के लिये भूमि अधिग्रहण और पुनर्वास की सिफारिश की गई

Drishti IAS

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/centre-approves-proposal-to-provide-houses-under-pmgay